आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 63 | उज्जैन, गुरुवार 23 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को भोपाल के सबसे बड़े नव निर्मित फ्लाई-ओवर का करेंगे उद्घाटन

154 करोड़ की लागत से बना है 2900 मीटर लंबा फ्लाई-ओवर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, गुरवार 23 जनवरी को गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर के बीच 154 करोड़ रूपये की लागत से नव निर्मित भोपाल के सबसे बड़े फ्लाई-ओवर का उद्घाटन करेंगे। यह फ्लाई-ओवर शहर के यातायात प्रबंधन में महती सुधार लाने में सहायक होगा। साथ ही यात्रियों को राहत प्रदान करेगा। समारोह में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह भी उपस्थित रहेंगे।

भोपाल शहर में मैदा मिल मार्ग पर गायत्री मंदिर से डीबी मॉल चौराहा, बोर्ड ऑफिस चौराहा, प्रगति चौराहा से मानसरोवर कॉम्प्लेक्स होते हुए गणेश मंदिर तक निर्मित फ्लाई-ओवर 2900 मीटर लंबा और 15 मीटर चौड़ा है। यह मैदा मिल मार्ग को विद्या नगर, शक्ति नगर, कस्तूरबा नगर, साकेत नगर, दानिश नगर, आशिमा मॉल और एम्स जैसे प्रमुख रिहायशी और वाणिज्यिक क्षेत्रों से जोड़ता है। इसके अलावा, औबेदुल्लागंज, नर्मदापुरम, बैतूल, खंडवा और जबलपुर की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए भी यह मार्ग को सुगम बनाएगा।

यह फ्लाई-ओवर डी.बी. मॉल, बोर्ड ऑफिस, प्रगति पेट्रोल पंप और मानसरोवर चौराहे जैसे भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम करेगा। प्रारंभिक आंकलन के अनुसार 60% यातायात इस फ्लाई-ओवर से गुजरेगा, जबकि शेष 40% यातायात पुराने मार्गों का उपयोग करेगा। फ्लाई-ओवर की एक शाखा डी.बी. मॉल चौराहे से भोपाल हाट (मंत्रालय मार्ग) की ओर जाती है, जिससे वल्लभ भवन तथा अरेरा हिल्स पर स्थित समस्त राज्य स्तरीय कार्यालयों में कार्य करने वाले कर्मचारियों को पीक आर्वस में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी।

सुरक्षाबलों के ऑपरेशन से नक्सलियों के हौसले पस्त, सटीक रणनीति ने कैसे पलटी बाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजनीतिक इच्छा शक्ति और सटीक रणनीति। पिछले एक साल भीतर नक्सलियों के हौसले पस्त करने में मिली सफलता को इन्हीं दोनों शब्दों से समझा जा सकता है। ठीक एक साल पहले 21 जनवरी 2024 को गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रायपुर में छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेतृत्व एवं सुरक्षा बलों के प्रमुखों के साथ बैठक में नक्सलवाद को खत्म करने के रोडमैप को हरी झंडी दी थी।

छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार के विपरीत नवनियुक्त विष्णु देव साय सरकार ने इस रोडमैप को अमली जामा पहनाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई और नतीजा सबके सामने है। नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के अमित शाह के रोडमैप में तीन अहम बिंदु हैं।

नक्सली पूरी तरीके से पस्त

नक्सलियों के कोर इलाके में सुरक्षा बलों की अग्रिम चौकियां स्थापित कर सुरक्षा गैप को भरना, मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून का इस्तेमाल कर ईडी की मदद से नक्सलियों को मिलने वाली फंडिंग के स्त्रोत को पूरी तरह से बंद करना और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून का इस्तेमाल पर नक्सली गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ एनआईए की जांच कराकर कड़ा सजा सुनिश्चित करना।

कर्नाटक में दो अलग-अलग सड़क हादसों में गई 14 लोगों की जान, 25 घायल

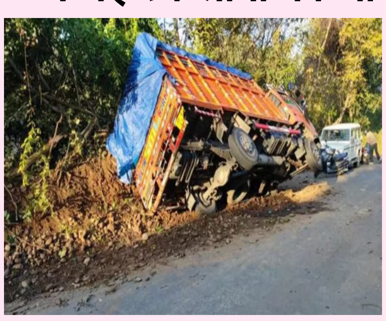

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के रायचूर और यल्लापुरा से एक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। रायचूर में एक वाहन के पलटने से तीन छात्रों समेत चार लोगों की मौत हो गई और दस अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सिंधनूर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया।

साथ ही शवों को शवगृह में और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। सिंधनूर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

यह वाहन मंत्रालय संस्कृत पाठशाला के छात्रों को ले जा रहा था जो नरहरि मंदिर में पूजा करने के लिए हम्पी की तीर्थयात्रा पर थे। पुलिस ने बताया कि हादसा सिंधनूर में अरागिनमारा कैंप के पास हुआ। मृत छात्रों की पहचान आर्यवंदन (18), सुचींद्र (22) और अभिलाष (20) के रूप में हुई है। इस हादसे में ड्राइवर शिवा (24) की भी जान चली गई। 10 घायल लोगों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार, 4 जिलों से बड़ी मात्रा में बरामद हुआ हथियार और गोला-बारूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में अलग-अलग अभियानों में दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सक्रिय सदस्य को मंगलवार को टॉप खोंगनांगखोंग से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उसकी पहचान येंगखोम भोगेन सिंह (50) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) के एक सदस्य की पहचान पुखरामबम थोइबा सिंह (38) के रूप में हुई है, जिसे मंत्रिपुखरी बाजार से गिरफ्तार किया गया।

मणिपुर के 4 जिलों से हथियार और गोला-बारूद बरामद- एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय सेना ने पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के साथ कई सफल संयुक्त अभियानों में चूरचंदपुर सहित मणिपुर के चार जिलों के पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों से हथियार, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री बरामद की।

मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया, भारतीय सेना ने मणिपुर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर कई सफल संयुक्त अभियानों में मणिपुर के थौबल, कांगपोकपी, चुरचंदपुर और तेंगनुपाल जिलों के पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों से 12 हथियार, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री बरामद की।

तो संविधान तैयार होने में 25 साल और लग जाते, कर्नाटक हाईकोर्ट के जज डॉ. दीक्षित ने क्यों कहा ऐसा?

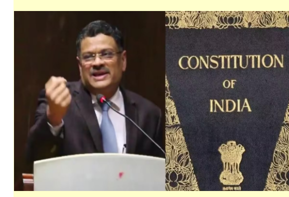

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्ट के जज जस्टिस कृष्ण एस दीक्षित ने डॉ. बीआर आंबेडकर के एक कथन का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय संविधान के निर्माण में ब्राह्मणों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 18-19 जनवरी को आयोजित दो दिवसीय ब्राह्मण सम्मेलन विश्वामित्र में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने एक बार भंडारकर इंस्टीट्यूट में कहा था कि यदि बीएन राव ने संविधान का मसौदा तैयार नहीं किया होता तो इसे तैयार होने में 25 साल और लग जाते। जस्टिस दीक्षित ने कहा कि संविधान की प्रारूप समिति के सात सदस्यों में से तीन अल्लादी कृष्णस्वामी अय्यर, एन गोपालस्वामी अयंगर और बीएन राव ब्राह्मण थे। देश के कानूनी ढांचे को आकार देने में उनकी भूमिका पर जोर दिया गया। इसके आगे वह कहते हैं कि ब्राह्मण कोई जाति नहीं है बल्कि वर्ण है। उन्होंने कहा कि वेद व्यास एक मछुआरे के बेटे थे और इसी प्रकार वाल्मीकि भी एससी या एसटी समाज के थे। फिर भी उन्होंने रामायण लिखी और हम आज तक उन्हें पूजते हैं। उनकी ही लिखी रामायण को संविधान में भी जगह दी गई है। संविधान में जो 32 चित्र शामिल किए गए हैं, उनमें से एक भगवान राम का भी है। जस्टिस दीक्षित ने पूर्व में खुद के गैर ब्राह्मण राष्ट्रवादी आंदोलनों के साथ जुड़े होने का भी उल्लेख किया और कहा कि जस्टिस बनने के बाद उन्होंने अन्य सभी गतिविधियों से खुद को अलग कर लिया है।

संभल की जामा मस्जिद पर फिर पहुंचा बुलडोजर

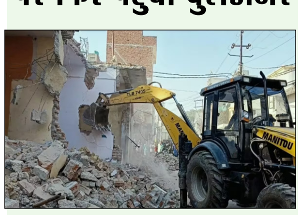

संभल। जामा मस्जिद की जर्जर तीन दुकानों को तोड़वाने के बाद मौके पर पड़े मलबे को हटाने के लिए नगर पालिका का बुलडोजर पहुंच गया। बुलडोजर चलता देखकर जामा मस्जिद के सदर मौके पर आए और बुलडोजर रुकवाते हुए एसडीएम को फोन किया। फिर उन्होंने मलबा स्वयं हटवाने की बात कही। बता दें कि नगर के मुहल्ला कोट पूर्वी स्थित शाही जामा मस्जिद के निकट तीन जर्जर दुकानों को एक सप्ताह पहले एसडीएम के मौखिक आदेश पर जामा मस्जिद की कमेटी द्वारा तुड़वा दिया गया था। ताकि इन दुकानों के गिरने से कोई हादसा ना हो सके।

आप-दा से दिल्ली को मुक्त कराना है, मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को पीएम ने किया संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम को संबोधित किया। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि वर्षों तक बूथ से मेरा काम रहा है। इंटरनेट मीडिया व नमो एप के के माध्यम से ढेर सारे सुझाव आए हैं।

मेरा बूथ सबसे मजबूत यह केवल एक कार्यक्रम नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी की जीवंतता इसके जड़ों की ताकत है। जिन जड़ों से भाजपा का विस्तार हुआ है उसके मूल में सभी कार्यकर्ताओं ने जीवन मंत्र बनाया है वह है मेरा बूथ सबसे मजबूत।

हर बूथ पर तीन-चार पीढ़ी के कार्यकर्ता- पीएम- दिल्ली के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की क्या ताकत है यह किसी से छिपा नहीं है। इस बार आपने दिल्ली के हजारों बूथ जीतें तब जाकर सभी सातों सीटों पर भाजपा विजयी हुई है। मुझे विश्वास है कि दिल्ली में यह जो संगठन की ताकत है कि प्रत्येक बूथ पर तीन-चार पीढ़ी के कार्यकर्ता हैं। यही शक्ति विधानसभा में भाजपा को प्रचंड विजयी दिलाएगी। मुझे विश्वास है कि अपने-अपने बूथ पर आप सभी जो मेहनत कर रहे है उसके चलते आप भारी विजयी प्राप्त करने वाले हैं। एक साथीदार के नाते पूरा देश जब दिल्ली के कार्यकर्ताओं की तरफ देख रहा है। पिछले सात दशक से दिल्ली के कार्यकर्ताओं को देखकर देश के अन्य कार्यकर्ता बहुत कुछ सीख सकता है।

हर बूथ पर 50 फीसदी से अधिक मतदान बढ़ाने की हो कोशिश

चुनाव में सिर्फ विजय काफी नहीं है। इससे प्रत्येक बूथ दो लक्ष्य तय कर सकता है। एक मतदान के पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ेंगे। पिछले 10 वर्षों में जितना मतदान हुआ है उससे अधिक मतदान मेरे बूथ पर होगा। प्रत्येक बूथ पर 50 प्रतिशत से अधिक मत कैसे मिले। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर रहने वाले सभी का दिल जीतना है।

सिर्फ विजय नहीं 50 प्रतिशत से अधिक मतों से जीत वाला बूथ बनाना है और ऐसी सरकार हमें बनानी है। मेरा विश्वास इसलिए भी बढ़ रहा है कि जहां भी दिल्ली में भाजपा कार्यकर्ता जा रहे हैं वहां लोग उनका स्वागत कर रहे हैं, उनसे विकसित भारत की चर्चा कर रहे हैं। साथ ही आप ने आप-दा का जो संकट ढाहा है उसे लोग पहचान कह गए हैं।

चीन ने ताइवान में कर दी घुसपैठ! गद्दार रिटायर्ड जनरल से प्राइवेट मिलिट्री बनवा रहा था ड्रैगन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और ताइवान के बीच खराब रिश्ते बने हुए हैं। इस बीच ताइवान में चीन की कथित तौर पर घुसपैठ हुई है। ताइवान में एक रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल चीन के इशारे पर प्राइवेट मिलिट्री के लिए सैन्य कर्मियों की भर्ती कर रहा था। उसने इसके लिए 20218 से 2024 के बीच कई बार चीन के दौरे किए और सैन्य अधिकारियों से मुलाकात की। अभियोजकों का कहना है कि सैन्य कर्मियों की भर्ती के लिए उसे भारी मात्रा में चीन से फंडिंग भी मिली है। रिटायर्ड अधिकारी समेत 6 लोगों को गद्दारी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। चीन ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है और इस द्वीप को अपने नियंत्रण में लाने के लिए बल प्रयोग की धमकी देता रहा है। ताइवान में जासूसी से जुड़े कई मामले सामने आए हैं, क्योंकि चीन ताइपे पर अपनी संप्रभुता के दावे को स्वीकार करने के लिए सैन्य और राजनीतिक दबाव बनाए हुए है। ताइवान हाई प्रॉसिक्यूटर ऑफिस ने एक बयान में बताया कि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल काओ समेत छह लोगों को मामले में आरोपी बनाया गया है। इन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का उल्लंघन करने का आरोप है।

अभियोजकों ने कहा कि यह समूह 2018 से 2024 के बीच कई बार चीन गया, जहां उन्होंने चीनी सैन्य खुफिया अधिकारियों से मुलाकात की। इन मुलाकातों के दौरान उन्हें चीन के लिए संगठन बनाने और विकसित करने के निर्देश और धनराशि प्राप्त हुई। बयान में कहा गया कि इनके कार्यों ने ÷राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता÷ के लिए एक गंभीर खतरा उत्पन्न किया।

आरोप है कि काओ और एक अन्य ने चीनी धन का उपयोग करके एक ÷सशस्त्र संगठन÷ बनाया, जो चीन द्वारा ताइवान पर हमला करने की स्थिति में एक ÷आंतरिक सहयोगी÷ के रूप में कार्य करेगा। अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने सेवानिवृत्त और सक्रिय सैन्यकर्मियों को पहचानने, संपर्क करने, लुभाने और उन्हें शामिल करने का प्रयास किया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा ÷खतरनाक स्थिति÷ में पहुंच गई। इस मामले ने ताइवान में राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताओं को बढ़ा दिया है। ताइवान सरकार ने इस घटना पर कड़ा रुख अपनाया है और अपने सैन्यकर्मियों से सतर्क रहने का आग्रह किया है। चीन की बढ़ती गतिविधियों और ताइवान पर दबाव बढ़ाने के प्रयासों के बीच यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गया है।

मेरी जान को खतरा है, खौफ के साये में भारत समर्थक पाकिस्तानी यूट्यूबर सना अमजद; अब बताई पूरी सच्चाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी यूट्यूबर सना अमजद को लेकर बीते कुछ दिनों से अफवाह चल रही थी, अब उन्होंने खुद एक वीडियो के जरिए इन अफवाहों का खंडन किया है और सारी सच्चाई बताई है। बीते कई दिनों सना के अपहरण होने, उनकी गिरफ्तारी और हत्या तक की अफवाह सामने आई थीं। कहा जा रहा था कि उन्हें पाकिस्तानी आर्मी ने गिरफ्तार कर फांसी दे दी थी।

अब सना अमजद ने खुद कैमरे के सामने आकर इन अफवाहों को खारिज किया और बताया कि वह जिंदा है, लेकिन उनकी जिंदगी और परिवार पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

मां को कर रहे तंग- सना ने वीडियो में आगे ये भी बताया कि अनजान लोग उनकी मां को तंग कर रहे हैं और उनके बारे में जानकारी मांग रहे हैं। उन्हें धमकी दी जा रही है कि अगर सना ने अपनी गतिविधियां बंद नहीं कीं तो उन्हें नुकसान पहुंचाया जाएगा। सना ने यह भी कहा कि उनकी मां और परिवार के अन्य सदस्य इस स्थिति से बेहद डरे हुए हैं।

सना अमजद पाकिस्तान की जानी-मानी यूट्यूबर है, जिन्होंने पब्लिक इंटरव्यू और सामाजिक मुद्दों पर तरह -तरह के वीडियो बनाकर अपनी पहचान बनाई है। उनकी पॉपुलैरिटी पाकिस्तान के साथ-साथ भारत में भी है। उन्होंने भारत के समर्थन में कई वीडियो बनाई हैं।

सना अमजद ने अपने वीडियो में बताया कि उन्होंने हमेशा खुलकर भारत के बारे में बात की है। वह पहली यूट्यूबर थीं, जिन्होंने लाहौर की लिबर्टी मार्केट में खड़े होकर भारतीय मुद्दों पर चर्चा की।

इस कारण उन्हें कई बार आलोचना का सामना करना पड़ा और उनकी आवाज को दबाने की कोशिशें भी हुईं, लेकिन सना का कहना है कि इस बार उन्हें गंभीर धमकियां मिल रही हैं, जो पहले कभी नहीं हुईं।

पाकिस्तान में पतंग उड़ाना घोषित हुआ हराम और इस्लाम के खिलाफ, क्यों जारी हुआ फतवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपको भले ही सुनने और पढ़ने में यह अजीब लगे, लेकिन पाकिस्तान में पतंग उड़ाने, बाइक को एक पहिये पर चलाने पर और हवाई फायरिंग को गैर-इस्लामी करार दिया गया है। लाहौर के दारुल इफ्ता जामिया नइमिया की ओर से पुलिस विभाग से मशविरे के बाद इस संबंध में फतवा जारी किया गया है। फतवे में कुरान और हदीस की कई आयतों का हवाला देते हुए कहा कि ये तीनों चीजें करना अपराध हैं और इस्लाम के अनुसार भी ये हराम हैं। इन तीनों के पीछे फतवे में वजह भी बताई गई है और कहा गया कि इनके चलते इंसानी जिंदगी को खतरा पैदा हो रहा है। इस्लाम में ऐसे किसी भी काम को हराम माना गया है, जिससे इंसानी जिंदगी के लिए खतरा पैदा होता हो। इसलिए इन पर पाबंदी लगाई जाती है। लाहौर पुलिस की ओर से एक डेटा जारी किया गया था, जिसमें बताया गया कि बड़ी संख्या में देश में लोग पतंगों के मांझे, गलत तरीके से बाइक चलाने और हवाई फायरिंग में मारे जाते हैं। अकसर खुशी के मौके पर हवाई फायरिंग की जाती है। फतवे में कहा गया कि इन तीनों चीजों से ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे परिवार में मातम छा जाता है। इसलिए इन्हें गैर-इस्लामी और हराम घोषित किया जाता है।

हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर शेख मोहम्मद हमादी की हत्या, घर के बाहर मारीं 6 गोलियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। लेबनान के पूर्वी क्षेत्र बेका घाटी में हिजबुल्लाह के टॉप कमांडर शेख मोहम्मद अली हमादी की मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। हिजबुल्लाह के स्थानीय कमांडर हमादी को माचगारा इलाके में उसके घर के पास चलती गाड़ी से छह गोलियां मारी गईं।

टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, हमादी को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। लेबनानी अधिकारियों ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है और इसे वर्षों पुराने पारिवारिक विवाद से जोड़ा जा रहा है। शेख मोहम्मद अली हमादी पहले अमेरिका सुरक्षा एजेंसी एफबीआई की मोस्ट वांटेड आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल था। उस पर 153 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के साथ एक विमान को एथेंस से रोम के रास्ते में हाइजैक करने का आरोप था। यह घटना उस समय हुई है जब इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच हुए 60-दिन के प्रारंभिक युद्धविराम समझौते का समय समाप्त होने वाला है।

शेर के साथ टिकटॉक वीडियो बना रहा था पाकिस्तानी शख्स, फिर हमले में हुआ बुरी तरह घायल; ऐसे बची जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जंगल में टिकटॉक वीडियो बनाना एक शख्स को भारी पड़ गया, इस घटना में शख्स बुरी तरह घायल हो गया। यह घटना तब हुई जब युवक ने बिना इजाजत के शेर के पिंजरे में एंटर किया। घटना में घायल शख्स की पहचान मोहम्मद अजीम के रूप में हुई है।

अजीम ने फार्म मालिक की अनुमति के बिना शेर के पिंजरे में प्रवेश किया और वायरल वीडियो बनाने के लिए शेर के पास जाने की कोशिश की।

वीडियो के चक्कर में फंसी जान- पुलिस ने बताया कि अजीम शेर के पिंजरे में वीडियो बनाने गए थे। जैसे ही अजीम मोबाइल फोन लेकर शेर के करीब गए, शेर ने उस पर हमला कर दिया। इस हमले में शेर ने उसके सिर, चेहरे और बाजुओं पर गंभीर चोटें पहुंचाई।

बता दें कि इस घटना के समय, फार्म का मालिक शेर के पिंजरे के पास मौजूद नहीं था। अजीम की चीख सुनकर फार्म मालिक वहां पहुंचा और उसे शेर के चंगुल से बचाया। घायल अजीम को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

शख्स की हालत गंभीर- खेत मालिक ने तुरंत अजीम को बचाया और नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है। उनकी चोटों ने सोशल मीडिया पर जंगली जानवरों के साथ बातचीत से जुड़ी मुश्किलों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।

शेर पर नियम सख्त किए गए- हमले के बाद पंजाब सरकार ने त्वरित कार्रवाई की है। वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने फार्म मालिक के खिलाफ कानूनी कार्यवाही का आदेश दिया है, जिसमें उसका प्रजनन लाइसेंस रद करना भी शामिल है।

ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही चीन पर नया संकट, अमेरिका ने ड्रैगन के खिलाफ लिया बड़ा फैसला; बढ़ेगी तनातनी

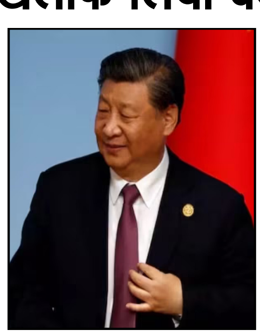

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति बनने के पहले दिन ही ट्रंप कई फैसले ले चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर विचार कर रहे हैं।

ट्रंप मेक्सिको और कनाडा को भेजी जाने वाली घातक दवा फेंटेनाइल की सप्लाई को रोकने के लिए 1 फरवरी से चीनी आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने पर विचार कर रहे हैं। 'फेंटानिल' एक तरह का मादक पदार्थ है जो हेरोइन से 50 गुना अधिक शक्तिशाली और नशीला होता है।

चीन पर क्यों टैरिफ लगाना चाहता ट्रंप- डीईए का यह भी कहना है कि वैश्विक फेंटेनाइल आपूर्ति अक्सर चीन में स्थित केमिकल कंपनियों से शुरू होती है।

ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में ओरेकल के मुख्य प्रौद्योगिकी लैरी एलिसन, सॉफ्टबैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मासायोशी सोन और ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, हम इस तथ्य के आधार पर चीन पर 10 प्रतिशत टैरिफ के बारे में बात कर रहे हैं कि वे मेक्सिको और कनाडा को फेंटेनाइल भेज रहे हैं।

1 फरवरी से लगाएंगे टैरिफ- ट्रंप ने कहा, मेक्सिको और चीन के लिए, हम लगभग 25 प्रतिशत (टैरिफ) के बारे में बात कर रहे हैं।

यहां मेक्सिको और कनाडा से मतलब है क्योंकि हमने पहले भी बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों और नशीली दवाओं को अनुमति देने के लिए दोनों देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी।

2.4 करोड़ लोगों ने टीवी पर देखा ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह, 2013 के बाद यह संख्या रही सबसे कम

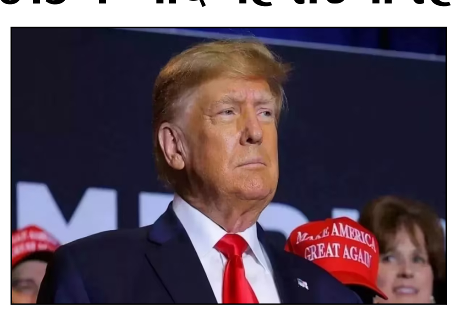

नई दिल्ली (एजेंसी)। 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के नए राष्ट्रपति के पद की शपथ ली। इस कार्यक्रम में कई हस्तियां शामिल हुईं। वहीं, अनुमान है कि 24.6 मिलियन (2.4 करोड़) टेलीविजन दर्शकों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह को देखा, यह संख्या 2013 में राष्ट्रपति बराक ओबामा के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह के बाद सबसे कम रही।

नीलसन कंपनी ने मंगलवार को कहा कि दर्शकों की संख्या जो बाइडन के 2021 के उद्घाटन से कम थी, जो 33.8 मिलियन तक पहुंच गई थी, और ट्रंप के व्हाइट हाउस में पहले कदम को 2017 में 30.6 मिलियन दर्शकों ने देखा था।

पिछले अर्ध शताब्दी में शपथ ग्रहण समारोह के दर्शकों की संख्या में व्यापक अंतर रहा है; 1981 में जब रोनाल्ड रीगन ने पदभार संभाला था, तब यह संख्या 41.8 मिलियन थी, तथा 2004 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश के दूसरे कार्यकाल के आरंभ में यह संख्या 15.5 मिलियन थी। 24.6 मिलियन का आंकड़ा 10ः30 पूर्वाह्न से 7ः30 अपराह्न ईएसटी के बीच 15 नेटवर्क में से किसी एक पर कवरेज देखने वाले लोगों की औसत संख्या को दर्शाता है।

पिछले वर्षों में, कवरेज इतने लंबे समय तक नहीं चलता था, जिसका मतलब था कि औसत अधिक होने की संभावना थी क्योंकि दिन बीतने के साथ लोग इससे दूर हो जाते थे।

सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण पर रोक बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक बढ़ा दी, जिसमें मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी।

यह परिसर कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के पास स्थित है, जो हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक महत्व का स्थल है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह मस्जिद परिसर के न्यायालय की निगरानी में किए गए सर्वेक्षण के खिलाफ 'ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन समिति' की याचिका पर सुनवाई एक अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में स्थगित कर देगी। सीजेआई ने कहा कि शीर्ष अदालत में अभी तीन मुद्दे लंबित हैं और वे हैं एक अंतर-न्यायालय अपील का मुद्दा (हिंदू वादियों द्वारा दायर मुकदमों के एकीकरण के खिलाफ), दूसरा अधिनियम (पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 को चुनौती) स्वयं है। 1 अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध करें।

पीठ ने कहा कि इस बीच, शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण पर रोक लगाने वाला इलाहाबाद उच्च न्यायालय का अंतरिम आदेश लागू रहेगा।

शीर्ष अदालत ने पिछले साल 16 जनवरी को पहली बार उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई थी।

उच्च न्यायालय ने शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी थी और इसकी निगरानी के लिए न्यायालय आयुक्त की नियुक्ति पर सहमति व्यक्त की थी।

हिंदू पक्ष का दावा है कि परिसर में ऐसे संकेत हैं जो बताते हैं कि इस स्थान पर कभी मंदिर हुआ करता था।

कुत्ता, कबूतर के बाद अब आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल में घुसा बंदर, मची भगदड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरपोर्ट पर कुत्ते व कबूतर की समस्या के बाद एक नई मुसीबत बंदर के रूप में सामने आया है। इंटरनेट मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे एक वीडियो में आईजीआई एयरपोर्ट के भीतर एक बंदर उछलकूद करता नजर आ रहा है। बंदर को काबू करने में जुटा एक शख्स भी वीडियो में दिख रहा है, लेकिन उसका प्रयास नतीजा लाता दिख नहीं रहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ कि वीडियो किस टर्मिनल का है, लेकिन टर्मिनल की बनावट से यह टर्मिनल 3 का है, इसकी सबसे अधिक संभावना है।

कुत्ते की मौजदूगी को लेकर भी उठ रहे सवाल- यह वीडियो कब का है, यह भी अभी स्पष्ट होना बाकी है। फिलहाल एयरपोर्ट संचालन एजेंसी डायल से इस बारे में उनका पक्ष मांगा गया है, जो नहीं मिला है। बता दें कि आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 व दो के बाहर कुत्ते की मौजूदगी को लेकर अक्सर सवाल उठते रहते हैं। यहां कुत्ते आसानी से नजर आते हैं। इंटरनेट मीडिया पर इसे लेकर लोग अक्सर सवाल उठाते हैं, लेकिन डायल यह कहकर बचाव करता है कि पशु अधिकार से जुड़े कुछ नियमों के कारण इन्हें यहां से पूरी तरह नहीं हटाया जा सकता है।

केरल में बड़ा घोटाला...कोरोना के दौरान विजयन सरकार ने अधिक दामों पर खरीदी पीपीई किट, कैग रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा में मंगलवार को रखी गई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट से पता चला है कि कोविड के समय में मुख्यमंत्री पी विजयन के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने पीपीई किट अत्यधिक कीमतों पर खरीदी थी।

550 की पीपीई किट 1550 रुपए में खरीदी- रिपोर्ट में बताया गया कि जो पीपीई किट 550 रुपए में मिलती थी, उसे खरीदा ही नहीं गया। सरकार ने 1550 रुपए में पीपीई किट खरीदा, जिससे 10 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। मार्च 2020 में देश में पहला कोविड-19 पॉजिटिव मामला केरल में सामने आया था।

केरल में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने कहा कि मुख्यमंत्री पी विजयन और तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा इस बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी के मुख्य दोषी हैं, जबकि माकपा ने इसे केंद्र द्वारा राजनीतिक षड्यंत्र के अलावा कुछ नहीं बताया है।

कैग ने इस बड़े घोटाले का समर्थन किया- सतीशन ने कहा कि हमने पहले भी इस मुद्दे को उठाया था और अब कैग ने इस बड़े घोटाले का समर्थन किया है। हम इसे उसी तरह उठाएंगे जैसे हमने पहले उठाया था। वर्तमान में इस संबंध में एक मामला चल रहा है। शैलजा ने विजयन से हरी झंडी मिलने के बाद पीपीई किट के ऑर्डर को मंजूरी दी थी।

खरगे ने रानी लक्ष्मीबाई से की प्रियंका गांधी की तुलना, कहा- भाजपा और RSS के खिलाफ लड़ रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी की तुलना ऐतिहासिक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कित्तूर रानी चेन्नम्मा व झांसी की रानी लक्ष्मी बाई से करते हुए कहा कि वह स्त्री शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं।

इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी को युवा शक्ति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, अगर कोई कित्तूर चेन्नम्मा है, तो वो प्रियंका गांधी हैं। अगर कोई झांसी की रानी है, तो वो प्रियंका गांधी हैं। वह बहुत मजबूत हैं। अपने पिता राजीव गांधी की हत्या होने के बाद उन्होंने परिवार को संभाला। हमारे पास स्त्री शक्ति के रूप में प्रियंका गांधी और युवा शक्ति के रूप में राहुल गांधी हैं।

बेलगावी में हुआ कार्यक्रम- खरगे ने आगे कहा, बेलगावी कित्तूर रानी चेन्नम्मा की जन्मस्थली है। वह महान महिला थीं जो देश के सम्मान और लोगों के लिए लड़ीं। इसी तरह, अगर कोई ताकतवर महिला है जो भाजपा और आरएसएस के खिलाफ लड़ रही है, तो वो प्रियंका गांधी है। उनमें वो दम है।

गांधी भारत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि पार्टी ने बेलगावी में आयोजित एकमात्र कांग्रेस अधिवेशन की शताब्दी मनाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया है। उस अधिवेशन की अध्यक्षता 1924 में महात्मा गांधी ने पार्टी के अध्यक्ष के रूप में की थी।

उन्होंने बेलगावी में महात्मा गांधी द्वारा कहे शब्द दोहराए, मैं जिंदा रहना चाहता हूं भारत के लिए, मरना चाहता हूं भारत के लिए।

प्रियंका ने बोला हमला- जय बापू, जय भीम और जय संविधान विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस के अलावा भी बहुत सी सरकारें आईं और गईं, लेकिन किसी भी सरकार में ऐसा मंत्री नहीं था जो संसद में खड़ा होकर आंबेडकर का अपमान करे।

उन्होंने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में राज्यसभा के भीतर खड़े होकर भारतीय संविधान के निर्माता बीआर आंबेडकर का अपमान किया। शाह ने देश का और इसके लिए अपना सबकुछ न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया।

बदलेगा मौसम का मिजाज, हिमपात और वर्षा से बढ़ सकती है ठंड; दिल्ली-पंजाब में होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम एक बार फिर करवट ले सकता है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली और आसपास अगले दो दिन बादल गरज सकते हैं और हल्की वर्षा होने का भी अनुमान है। इसके साथ ही कुछ क्षेत्रों में कोहरा भी हो सकता है। दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 3.1 डिग्री ऊपर था।

उत्तर प्रदेश में कोहरे का असर रहेगा- दिल्ली के साथ पंजाब और हरियाणा में भी अगले दो दिन हल्की वर्षा हो सकती है। इधर जम्मू कश्मीर में कुछ जगहों पर मंगलवार को हिमपात हुआ। जबकि हिमाचल और उत्तराखंड हिमपात होने की संभावना है। वर्षा और हिमपात के कारण एक बार फिर तापमान गिरने से ठंड बढ़ सकती है। उत्तर प्रदेश में अभी पूर्वी जिलों में कोहरे का असर रहेगा। तेज हवाओं के चलने से तापमान में भी बढ़ोत्तरी हो रही है।

कश्मीर घाटी में बर्फबारी- कश्मीर घाटी में मौसम फिर मेहरबान हुआ और उच्च पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी हुई। श्रीनगर समेत निचले इलाकों में भी हल्की बर्फबारी हुई, लेकिन बर्फ के साथ हुई बारिश ने इसे जमने नहीं दिया। उच्च पर्वतीय इलाकों में हुई बर्फबारी के चलते कुपवाड़ा-केरन और बांडीपोरा-गुरेज मार्ग यातायात के लिए बंद किए गए है।

शिमला, मनाली समेत कई स्थानों पर हिमपात व वर्षा की संभावना- मौसम विभाग ने बुधवार को भी घाटी के कई इलाकों में बर्फबारी व बारिश होने की संभावना जताई है। गुलमर्ग माइनस 3.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ राज्य में सबसे ठंडा स्थान रहा। इधर, जम्मू में पूरे दिन धूप खिली रही। हिमाचल प्रदेश में मौसम विभाग के अनुसार बुधवार से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का अनुमान है। 22 व 23 जनवरी को शिमला, मनाली समेत कई स्थानों पर हिमपात व वर्षा की संभावना है।

संसद होगी हाईटेक, ओम बिरला बोले- एआई की मदद से सभी सदनों को एक प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने वन नेशन-वन लेजिस्लेटिव प्लेटफॉर्म की अवधारणा देते हुए 2025 तक सभी राज्यों के सदनों को एक व्यवस्था में लाने की बात कही।

पटना में पीठासीन पदधिकारियों के सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए बिरला ने विश्वास जताया कि 2025 में देश के नागरिकों को ऐसा प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा, जहां वे की-वर्ड, मेटा डाटा और एआई इम्प्रूवमेंट सर्च के जरिए किसी विषय पर न सिर्फ संसद का विमर्श, बल्कि विधानमंडलों की बहसों को भी प्राप्त कर पाएंगे।

ओम बिरला ने बताया कि संसद द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में दर्ज 22 भाषाओं में 1947 से लेकर आज तक की संसदीय बहसों को उपलब्ध कराया जाएगा। अभी एआई की मदद से संसद में दस भाषाओं में एक साथ अनुवाद किया जा रहा है।

संविधान की 75वीं वर्षगांठ को उत्सव की तरह मनाने का संकल्प

स्पीकर बिरला ने विधानसभाओं से भी आग्रह किया कि वर्ष 1947 से अब तक की बहसों को हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध कराने का प्रयास करना चाहिए। इसके लिए उन्होंने संसदीय सचिवालय से तकनीकी सहायता की भी पेशकश की। दो दिनों तक चले सम्मेलन के अंतिम दिन सत्र में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव, बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह समेत कई लोगों ने शिरकत की।

सम्मेलन के बाद मीडिया से बात करते हुए स्पीकर ने पीठासीन पदाधिकारियों द्वारा लिए गए पांच संकल्पों का विस्तृत ब्योरा दिया, जिनमें संविधान की 75वीं वर्षगांठ को उत्सव की तरह मनाने का संकल्प प्रमुख है।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 माघ कृष्ण नवमी

संपादकीय

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र है.....

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र है जिसमें विभिन्न उद्योगों को बदलने और हमारे रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाने की असीमित क्षमता है। यदि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो प्रौद्योगिकियों और समस्या-समाधान से आकर्षित हैं, तो एआई इंजीनियर के रूप में करियर शुरू करना एक रोमांचक और फायदेमंद विकल्प हो सकता है। 12वीं के बाद एआई इंजीनियर कैसे बनें? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्या है? एआई के जनक जॉन एमसी कैर्थी के अनुसार, बुद्धिमान मशीनें, विशेष रूप से बुद्धिमान कंप्यूटर प्रोग्राम बनाने का विज्ञान और इंजीनियरिंग। एआई क्या है? आइए मैं इसे सरल शब्दों में समझाता हूं AI शब्द दो शब्दों Artificial (A) + Intelligence (I) से मिलकर बना है। आर्टिफिशियल शब्द का अर्थ मानव निर्मित है और इंटेलिजेंस का अर्थ सोचने की शक्ति है, और जब हम एआई को जोड़ते हैं तो इसका अर्थ मानव निर्मित सोच शक्ति होता है। क्या‚ढ्ढ का अर्थ अब स्पष्ट है? यदि नहीं, तो आइए आगे समझते हैं! यह कंप्यूटर विज्ञान की एक शाखा है जिसमें हम बुद्धिमान मशीनें या सिस्टम बना सकते हैं जो इंसानों की तरह व्यवहार करते हैं, इंसानों की तरह सोचते हैं और निर्णय लेते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटर सिस्टम की मानव व्यवहार की नकल करने की क्षमता को संदर्भित करता है। एआई क्षमताओं वाली मशीनें पिछ्ले डेटा और कार्यों से सीख सकती हैं, सुधार कर सकती हैं और मानव जैसे कार्य कर सकती हैं। हम आशा करते हैं कि अब तक आपको यह स्पष्ट समझ आ गया होगा कि AI क्या है और यह कैसे कार्य करता है, आइए अधिक जानकारी प्राप्त करें! एआई के प्रकार AI के दो मुख्य प्रकार हैं- नैरो AI और जनरल AI नैरो एआई, जिसे कमजोर एआई के रूप में भी जाना जाता है, विशिष्ट कार्यों को करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और उन क्षेत्रों में अत्यधिक कुशल है। उदाहरण- वाक् पहचान प्रणालियाँ वाक् से संबंधित केवल एक ही कार्य कर सकती हैं और छवि पहचान प्रणालियाँ केवल छवियों से संबंधित संकेत पर ही कार्य कर सकती हैं। मिडजर्नी आवाज पहचान के लिए एक इमेज जेनरेशन एआई और गूगल असिस्टेंट है। दूसरी ओर, जनरल एआई, जिसे स्ट्रॉन्ग एआई भी कहा जाता है, एआई का एक उन्नत रूप है जो मानव की तरह ही कार्यों और डोमेन की एक विस्तृत श्रृंखला में बुद्धिमत्ता को समझने, सीखने और लागू करने की क्षमता रखता है। उदाहरण- सोफिया एक सामाजिक ह्यूमनॉइड रोबोट। सोफिया का आर्किटेक्चर स्क्रिप्टिंग सॉफ्टवेयर, एक चैट सिस्टम और ओपनकॉग से बना है, जो सामान्य सोच के लिए विकसित एआई सिस्टम का एक उदाहरण है और जिसे आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) कहा जाता है। 12वीं के बाद एआई इंजीनियर कैसे बनें? एआई इंजीनियर कैसे बनें? वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक, 12वीं के बाद एआई सबसे ट्रेंडिंग करियर विकल्पों में से एक बन गया है क्योंकि एआई और ऑटोमेशन के कारण 2025 तक 97 मिलियन नई भूमिकाएं बनने की उम्मीद है। गणित, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान में मुख्य कमान गणित, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने से शुरुआत करें। ये विषय एआई इंजीनियरिंग में आपके भविष्य के अध्ययन के लिए एक ठोस आधार प्रदान करते हैं। स्नातक की डिग्री हासिल करें आप कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, या डेटा विज्ञान जैसे प्रासंगिक क्षेत्रों के साथ एआई में बी.टेक, या बीएससी एआई जैसे स्नातक डिग्री कार्यक्रम में नामांकन कर सकते हैं। यह आपको प्रोग्रामिंग, एल्गोरिदम, डेटा संरचनाओं और अन्य आवश्यक अवधारणाओं का गहन ज्ञान प्रदान करेगा।

सुभाष चंद्र बोस

सुभाष चंद्र बोस के अतिरिक्त भारत के इतिहास में ऐसा कोई व्यक्तित्व नहीं हुआ, जो एक साथ महान् सेनापति, वीर सैनिक, राजनीति का अद्भुत खिलाड़ी और अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुरुषों, नेताओं के समकक्ष साधिकार बैठकर कूटनीति तथा चर्चा करने वाला हो। भारत की स्वतंत्रता के लिए सुभाष चंद्र बोस ने क़रीब-क़रीब पूरे यूरोप में अलख जगाया। बोस प्रकृति से साधु, ईश्वर भक्त तथा तन एवं मन से देशभक्त थे। महात्मा गाँधी के नमक सत्याग्रह को नेपोलियन की पेरिस यात्रा की संज्ञा देने वाले सुभाष चंद्र बोस का एक ऐसा व्यक्तित्व था, जिसका मार्ग कभी भी स्वार्थों ने नहीं रोका। जिसके पाँव लक्ष्य से कभी पीछे नहीं हटे, जिसने जो भी स्वप्न देखे, उन्हें साधा। नेताजी में सच्चाई के सामने खड़े होने की अद्भुत क्षमता थी।

जीवन परिचय- सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, सन 1897 ई. में उड़ीसा के कटक नामक स्थान पर हुआ था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पश्चिमी शक्तियों के विरुद्ध आज़ाद हिंद फ़ौज का नेतृत्व करने वाले बोस एक भारतीय क्रांतिकारी थे, जिनको ससम्मान नेताजी भी कहते हैं। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माँ का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वक़ील थे। पहले वे सरकारी वक़ील थे, लेकिन बाद में उन्होंने निजी प्रैक्टिस शुरू कर दी थी।

उन्होंने कटक की महापालिका में लंबे समय तक काम किया था और वे बंगाल विधान सभा के सदस्य भी रहे थे। अंग्रेज़ सरकार ने उन्हें रायबहादुर का ख़िताब दिया था। प्रभावती देवी के पिता का नाम गंगानारायण दत्त था। दत्त परिवार को कोलकाता का एक कुलीन परिवार माना जाता था। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियाँ और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र बोस उनकी नौवीं संतान और पाँचवें बेटे थे। अपने सभी भाइयों में से सुभाष को सबसे अधिक लगाव शरदचंद्र से था। शरदबाबू प्रभावती और जानकीनाथ के दूसरे बेटे थे। सुभाष उन्हें मेजदा कहते थे। शरदबाबू की पत्नी का नाम विभावती था।

बचपन- भारतीयों के साथ अल्पावस्था में अंग्रेज़ों का व्यवहार देखकर सुभाष चंद्र बोस ने अपने भाई से पूछा- दादा कक्षा में आगे की सीटों पर हमें क्यों बैठने नहीं दिया जाता है? बोस जो भी करते, आत्मविश्वास से करते थे। अंग्रेज़ अध्यापक बोस जी के अंक देखकर हैरान रह जाते थे। बोस जी के कक्षा में सबसे अधिक अंक लाने पर भी जब छात्रवृत्ति अंग्रेज़ बालक को मिली तो वह उखड़ गए। बोस ने मिशनरी स्कूल को छोड़ दिया। उसी समय अरविन्द ने बोस जी से कहा- हम में से प्रत्येक भारतीय को डायनमो बनना चाहिए, जिससे कि हममें से यदि एक भी खड़ा हो जाए तो हमारे आस-पास हज़ारों व्यक्ति प्रकाशवान हो जाएँ। अरविन्द के शब्द बोस के मस्तिष्क में गूँजते थे। सुभाष सोचते- हम अनुगमन किसका करें? भारतीय जब चुपचाप कष्ट सहते तो वे सोचते- धन्य हैं ये वीर प्रसूत। ऐसे लोगों से क्या आशा की जा सकती है?

शिक्षा- एक संपन्न व प्रतिष्ठित बंगाली वक़ील के पुत्र सुभाष चंद्र बोस की शिक्षा कलकत्ता के प्रेज़िडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई, और उसके बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा (इण्डियन सिविल सर्विस) की तैयारी के लिए उनके माता-पिता ने बोस को इंग्लैंड के कॅम्ब्रिज विश्वविद्यालय भेज दिया। सन 1920 ई. में बोस ने इंडियन सिविल सर्विस की परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन अप्रैल सन 1921 ई. में भारत में बढ़ती राजनीतिक सरगर्मी की ख़बर सुनकर बोस ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली और शीघ्र भारत लौट आए। अपने पूरे कार्यकाल में, ख़ासकर प्रारंभिक चरण में, बोस को अपने बड़े भाई शरतचंद्र बोस (1889-1950 ई.) का भरपूर समर्थन मिला, जो कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) के एक धनाढ्य वक़ील होने के साथ-साथ प्रमुख कांग्रेसी राजनीतिज्ञ भी थे।

देश भक्ति की भावना

बोस जी अंग्रेज़ी शिक्षा को निषेधात्मक शिक्षा मानते थे। किन्तु बोस जी को उनके पिता ने समझाया- हम भारतीय अंग्रेज़ों से जब तक प्रशासनिक पद नहीं छीनेंगे, तब तक देश का भला कैसे होगा। सुभाष ने इंग्लैंड में जाकर आई. सी. एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की। वे प्रतियोगिता में उत्तीर्ण ही नहीं हुए, चतुर्थ स्थान पर रहे। नेता जी एक बहुत मेधावी छात्र थे। वे चाहते तो उच्च अधिकारी के पद पर आसीन हो सकते थे। परन्तु उनकी देश भक्ति की भावना ने उन्हें कुछ अलग करने के लिए प्रेरित किया। बोस जी ने नौकरी से त्याग पत्र दे दिया। सारा देश हैरान रह गया। बोस जी को समझाते हुए कहा गया- तुम जानते भी हो कि तुम लाखों भारतीयों के सरताज़ होगे? तुम्हारे हज़ारों देशवासी तुम्हें नमन करेंगे? सुभाष ने कहा-

मैं लोगों पर नहीं उनके मनों पर राज्य करना चाहता हूँ। उनका हृदय सम्राट बनना चाहता हूँ।

कल्याण संदेश- एक शहर में हैजे का प्रकोप हो गया था। यह रोग इस हद तक अपने पैर पसार चुका था कि दवाएँ और चिकित्सक कम पड़ गए। चारों ओर मृत्यु का तांडव हो रहा था। शहर के कुछ कर्मठ एवं सेवाभावी युवकों ने ऐसी विकट स्थिति में एक दल का गठन किया। यह दल शहर की निर्धन बस्तियों में जाकर रोगियों की सेवा करने लगा। ये लोग एक बार उस हैजाग्रस्त बस्ती में गए, जहाँ का एक कुख्यात बदमाश हैदर ख़ाँ उनका घोर विरोधी था। हैदर ख़ाँ का परिवार भी हैजे के प्रकोप से नहीं बच सका। सेवाभावी पुरुषों की टोली उसके टूटे-फूटे मकान में भी पहुँची और बीमार लोगों की सेवा में लग गई। उन युवकों ने अस्वस्थ हैदर ख़ाँ के मकान की सफाई की, रोगियों को दवा दी और उनकी हर प्रकार से सेवा की। हैदर ख़ाँ के सभी परिजन धीरे-धीरे भले-चंगे हो गए।

हैदर ख़ाँ को अपनी ग़लती का एहसास हुआ। उन युवकों से हाथ जोड़कर क्षमा माँगते हुए हैदर ख़ाँ ने कहा मैं बहुत बड़ा पापी हूँ। मैंने आप लोगों का बहुत विरोध किया, किंतु आपने मेरे परिवार को जीवनदान दिया। सेवादल के मुखिया ने उसे अत्यंत स्नेह से समझाया आप इतना क्यों दुखी हो रहे हैं? आपका घर गंदा था, इस कारण रोग घर में आ गया और आपको इतनी परेशानी उठानी पड़ी। हमने तो बस घर की गंदगी ही साफ़ की है। तब हैदर ख़ाँ बोला- केवल घर ही नहीं अपितु मेरा मन भी गंदा था, आपकी सेवा ने दोनों का मैल साफ़ कर दिया है। सुभाषचंद्र बोस इस सेवादल के ऊर्जावान नेता थे। जिन्होंने सेवा की नई इबारत लिखकर समाज को यह महान् संदेश दिया कि मानव जीवन तभी सार्थक होता है, जब वह दूसरों के कल्याण हेतु काम आए। वही मनुष्य सही मायनों में कसौटी पर खरा उतरता है।

देश सेवा- बोस जी नौकरी छोड़ कर भारत आ गए। तब 23 वर्ष का नवयुवक विदेश से स्वदेशी बनकर लौटा। पूरा देश इस समय किसी नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहा था। पूरे देश को सुभाष अपने साथ ले चल पड़े। वे गाँधी जी से मिले। उनके विचार जाने, पर उनको यह बात समझ नहीं आई कि आन्दोलनकारी हँसते-हँसते लाठियाँ खा लेंगे। कब तक? वे चितरंजन दास जी के पास गए। उन्होंने सुभाष को देश को समझने और जानने को कहा। सुभाष देश भर में घूमें और निष्कर्ष निकाला-

हमारी सामाजिक स्थिति बदतर है, जाति-पाँति तो है ही, ग़रीब और अमीर की खाई भी समाज को बाँटे हुए है। निरक्षरता देश के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है। इसके लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है। -सुभाष चंद्र बोस

कांग्रेस के अधिवेशन में सुभाष चंद्र बोस ने कहा- मैं अंग्रेज़ों को देश से निकालना चाहता हूँ। मैं अहिंसा में विश्वास रखता हूँ किन्तु इस रास्ते पर चलकर स्वतंत्रता काफ़ी देर से मिलने की आशा है।

क्रान्तिकारियों को बोस ने सशक्त बनने को कहा। वे चाहते थे कि अंग्रेज़ भयभीत होकर भाग खड़े हों। वे देश सेवा के काम पर लग गए। दिन देखा ना रात।

घर खरीदारों को टैक्स के बोझ से मिलेगी राहत? क्या डिमांड कर रहा रियल एस्टेट सेक्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त पड़ रही है। इसका असर सभी क्षेत्रों पर देखने को मिल रहा है। खासकर, रियल एस्टेट सेक्टर पर, जो देश में सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्रों में से एक है। इसीलिए इंडस्ट्री उम्मीद कर रही है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2025 को पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट में रियल एस्टेट सेक्टर में डिमांड बढ़ाने के लिए खास उपाय करेंगी और टैक्स से जुड़े मोर्चों पर भी कुछ राहत देंगी। इससे इकोनॉमिक ग्रोथ को भी बढ़ावा मिलेगा। आइए जानते हैं कि रियल एस्टेट सेक्टर की वित्त मंत्री से क्या उम्मीदें हैं।

घर खरीदारों को मिले राहत- बेसिक होम लोन के फाउंडर और सीईओ अतुल मोंगा का कहना है कि केंद्रीय बजट में होम लोन की श्रस्ष्ठ चुकाने वालों को टैक्स में छूट दी जानी चाहिए- जैसे सेक्शन 80 सी के तहत। प्रिंसिपल रीपेंमेट में रु 1.5 लाख के कैप को बढ़ाना और सेक्शन 24 बी के तहत ब्याज पर 2 लाख रुपये की छूट को बढ़ाना अच्छी पहल हो सकती है।

उन्होंने कहा कि इससे घर खरीदने वालों को प्रॉपर्टी की बढ़ती कीमतों और महंगाई से कुछ राहत मिलेगी। कन्स्ट्रशन मैटेरियल जैसे सीमेंट पर अभी 28 फीसदी टैक्स लगाया जाता है, इसमें कटौती कर लागत को काफी कम किया जा सकता है। इससे घर खरीदने वालों का सीधा फायदा होगा।

'हमें उम्मीद है कि सरकार आगामी बजट में अफॉर्डेबल हाउसिंग को प्राथमिकता देगी, ताकि अधिक से अधिक भारतीयों का घर खरीदने का सपना साकार हो सके।

टैक्स का बोझ घटाने की मांग- निम्बस ग्रुप के सीईओ साहिल अग्रवाल का भी मानना है कि घर खरीदने वालों को टैक्स में अधिक राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, %घर खरीदारों पर लगाए जाने वाले करों और शुल्कों को युक्तिसंगत बनाना चाहिए। यह कई राज्यों में संपत्ति के मूल्य का 12 फीसदी से अधिक है। पिछले बजट में वित्त मंत्री ने राज्य सरकारों से इस मुद्दे को सुलझाने की अपील की थी, लेकिन अभी तक महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है।

खाने के रिफाइंड तेल पर बढ़ाया जाए आयात शुल्क, उद्योग संगठनों ने वित्त मंत्री से की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने सरकार से आगामी बजट में रिफाइंड खाद्य तेल के आयात पर शुल्क बढ़ाने, साबुन और नूडल्स जैसे तैयार उत्पादों के शुल्क-मुक्त आयात पर प्रतिबंध लगाने और तेल रहित चावल की भूसी पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाने की मांग की है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भेजे बजट ज्ञापन में एसईए ने तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन शुरू में वित्तीय प्रोत्साहन बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

अगले पांच साल में 25 हजार करोड़ रुपये की होगी जरूरत

एसईए का कहना है कि राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन के तहत वित्त वर्ष 2029-30 तक खाद्य तेल आयात पर निर्भरता 25-30 प्रतिशत पर लाने के लिए अगले पांच वर्षों में 25 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

पाम तेल का बढ़ता आयात चिंता का विषय- अभी इस मिशन के लिए 10 हजार करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है और खाद्य तेल आयात पर निर्भरता 65 प्रतिशत है। रिफाइंड पाम तेल के बढ़ते आयात पर चिंता व्यक्त करते हुए एसईए ने कहा कि भारतीय पाम रिफाइनिंग उद्योग बहुत कम क्षमता उपयोग से जूझ रहा है।

500 से नीचे आ गया क्रेडिट स्कोर? जानें 750 के पार ले जाने का असरदार तरीका

नई दिल्ली (एजेंसी)। होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन या फिर अन्य किसी भी तरह का लोन लेने के लिए क्रेडिट स्कोर काफी जरूरी हो जाता है। यह 300 से 900 के बीच की संख्या होती है। अमूमन 750 से ऊपर के क्रेडिट स्कोर को अच्छा समझा जाता है और इससे कम को खराब। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा नहीं है, तो बैंक आपको कर्ज देने से मना कर सकते हैं। लोन मिलता भी है, तो उसकी ब्याज दर काफी अधिक और शर्तें काफी सख्त होती हैं। कई बार लोन की किस्त चूकने या किसी अन्य गलती से क्रेडिट स्कोर 500 के भी नीचे चला जाता है। इससे लोन लेन तकरीबन नामुमकिन सा हो जाता है। आइए जानते हैं कि आप क्रेडिट स्कोर कैसे बढ़ा सकते हैं।

सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड लें- आप क्रेडिट स्कोर बढ़ाने के लिए सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड ले सकते हैं। इसके लिए आपको बैंक में एफडी करानी होती है। एफडी की वैल्यू के हिसाब से आपको क्रेडिट लिमिट मिल जाएगी। आप इस कार्ड का सावधानी से उपयोग करके अपने सिबिल स्कोर को बढ़ा सकते हैं।

क्रेडिट बिल्डर लोन के आवेदन - क्रेडिट बिल्डर लोन असल में क्रेडिट स्कोर बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस लोन में काफी कम रकम उधार ली जाती है। इस कर्ज में मिली राशि को बचत खाते में ही रखा जाता है। जब आप लोन समय पर चुकाते हैं, तो उसकी जानकारी क्रेडिट ब्यूरो को दी जाती है। इससे आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

क्रेडिट यूटिलाइजेशन कम रखना- क्रेडिट स्कोर बढ़ाते समय क्रेडिट यूटिलाइजेशन जितना मुमकिन हो सके, कम रखना चहिए। आप अधिकतम क्रेडिट लिमिट का 20 फीसदी ही इस्तेमाल करें। इससे इसका भी आपके क्रेडिट स्कोर पर पॉजिटिव असर होता है।

क्रेडिट रिपोर्ट चेक करें- हर महीने अपनी क्रेडिट रिपोर्ट चेक करते रहनी चाहिए। अगर उसमें कोई भी गड़बड़ी नजर आती है, तो उसे फौरन ठीक कराएं।

मोदी सरकार ने किसानों को दिया बड़ा तोहफा, रॉ जूट की बढ़ाई MSP

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की अगुआई में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को जूट किसानों को बड़ा तोहफा दिया। उसने मार्केटिंग सीजन 2025-26 के लिए रॉ जूट का मिनिमम सपोर्ट प्राइस 6 फीसदी यानी 315 रुपये बढ़ा दी है। अब किसानों को एक क्विंटल रॉ जूट के बदले 5650 रुपये मिलेंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंत्रिमंडल की बैठक की बाद यह जानकारी दी है।

पीयूष गोयल ने कहा कि नया एमएसपी अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत पर 66.8 फीसदी का रिटर्न सुनिश्चित करता है। इससे किसानों को काफी फायदा होगा। कच्चे जूट की एमएसपी 2014-15 में 2,400 रुपये प्रति क्विंटल थी। यह 2025-26 मार्केटिंग सीजन के लिए 5,650 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। इसका मतलब है कि एक दशक के दौरान सरकार ने रॉ जूट की एमएसपी 2.35 गुना बढ़ाई है।

रॉ जूट की एमएसपी बढ़ाने का असर जूट कंपनियों के शेयरों में भी दिख रहा है। Ludlow Jute & Specialities Ltd के शेयरों में 4 फीसदी से अधिक का उछाल आया है। यह एनएसई पर 4.64 फीसदी उछाल के साथ 238.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। Cheviot Co Ltd भी जूट इंडस्ट्री से जुड़ी हुई है। इसके शेयरों में भी 1 फीसदी से अधिक का उछाल आया है।

देश को एक विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने की कल्पना ग्रामीण भारत से होकर गुजरेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर कोई भारत में तेजी से विकास का दावा कर रहा है और अगले दो दशकों में देश को एक विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने की कल्पना करता है, तो इस यात्रा का मार्ग निस्संदेह ग्रामीण भारत से होकर गुजरेगा। यहां देश की लगभग दो-तिहाई आबादी रहती है, जो राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 46त्न का योगदान करती है।

ऐसे आंकड़े प्रति व्यक्ति आय के विस्तार की संभावना को दर्शाते हैं क्योंकि जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है और डिस्पोजेबल आय बढ़ रही है। बढ़ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था विवेकाधीन उत्पादों की मांग को बढ़ाएगी, बाजार का विस्तार करेगी और अंततः कॉर्पोरेट आय में वृद्धि का कारण बनेगी।

सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं शुरू करके इस बदलाव के लिए खुद को उत्प्रेरक के रूप में स्थापित किया है। इन पहलकदमियों का उद्देश्य कृषि पर निर्भर लोगों के लिए ग्रामीण जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

इतिहास और अंतरराष्ट्रीय अनुभव एक समान कहानी बताते हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था का विकास अक्सर कृषि आधारित अर्थव्यवस्था से मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के प्रभुत्व वाली अर्थव्यवस्था में बदलाव के बाद होता है। भारत भी इस दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इसकी योजना GDP में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के योगदान को मौजूदा 17% से बढ़ाकर चीन के मौजूदा स्तर के अनुरूप 30-32% तक ले जाने की है।

आज भारत में 41.5% कार्यबल अभी भी कृषि में लगा हुआ है, फिर भी यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद में केवल 16% का योगदान देता है। सरकार द्वारा मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया जाना ग्रामीण सकल घरेलू उत्पाद के लिए एक सकारात्मक संकेत है। इसे मेक इन इंडिया, Production-Linked Incentive स्कीम और नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी जैसे कार्यक्रमों से बल मिला है। इन प्रयासों के तहत नई विनिर्माण परियोजनाओं ने वित्त वर्ष 2020 में 3.8 ट्रिलियन से बढ़कर वित्त वर्ष 2023 में 13.2 ट्रिलियन तक की छलांग लगाई है।

भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था एक बदलाव के दौर से गुजर रही है। ग्रामीण प्रति व्यक्ति आय 2,000 डॉलर के आंकड़े को पार कर गई है। उपभोग में तेजी के लिए यह एक निर्णायक मील का पत्थर है, जो एक महत्वपूर्ण आर्थिक बदलाव के लिए मंच तैयार करता है। शहरी भारत ने वित्त वर्ष 2012 में यह मील का पत्थर हासिल किया था।

बजट में होगा सस्ते इलाज का उपाय? क्या हैं हेल्थ सेक्टर की वित्त मंत्री से उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश करेंगी। सरकार हेल्थ सेक्टर पर फोकस लगातार बढ़ा रही है। ऐसे में जानकारों का मानना है कि इस बार बजट में हेल्थ जैसे प्रमुख सेक्टर के लिए आवंटन करीब 10 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही, मेडिकल डिवाइसेज पर एक समान जीएसटी की भी मांग हो रही है। पिछले साल आम बजट में वित्त मंत्री ने हेल्थ के लिए 90,958 करोड़ रुपये दिए थे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा अनुमानों के अनुसार, भारत में स्वास्थ्य सेवा पर होने वाला खर्च 2013-14 में 64.2 फीसदी से घटकर 2021-22 में 39.4 फीसदी हो गया है, लेकिन यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज की ओर यात्रा चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। इसी अवधि में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा व्यय जीडीपी के 1.13 फीसदी से बढ़कर 1.84 फीसदी हो गया है। हालांकि, एक्सपर्ट का मानना है कि यह 2030 तक 3 फीसदी के लक्ष्य से बहुत दूर है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हाई स्कूल में इंग्लिश सब्जेक्ट को जनरल-स्पेसिफिक में बांटेगा मध्य प्रदेश बोर्ड

भोपाल । मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों की नौवीं व 10वीं कक्षा में अगले सत्र से अंग्रेजी विषय में सामान्य और विशिष्ट के दो विकल्प मिलने लगेंगे। ऐसा नई शिक्षा नीति के प्रविधान लागू करने के लिए किया जा रहा है। यह व्यवस्था अगले शिक्षा सत्र से लागू होगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने इस सत्र से नौवीं कक्षा में गणित विषय में सामान्य और विशिष्ट का विकल्प लागू किया था। इसके बाद अब अंग्रेजी का पाठ्यक्रम दो हिस्सों में विभाजित करने की तैयारी है।कहा गया है कि अगर कोई विद्यार्थी 11वीं में भाषा विषय में अंग्रेजी की पढ़ाई करना चाहता है तो उसे नौवीं में ही विशिष्ट अंग्रेजी का विषय लेना होगा। नहीं तो सामान्य अंग्रेजी लेकर परीक्षा देंगे। उत्तर प्रदेश जैसे कई

प्रदेशों में ऐसी व्यवस्था पहले से लागू है।

विशिष्ट गणित चुनने वाले अधिक, लेकिन शिक्षक भ्रमितचालू सत्र में प्रदेशभर में नौवीं में करीब 11 लाख विद्यार्थी हैं। इनमें से 5.80 लाख विद्यार्थियों ने विशिष्ट गणित और पांच लाख ने सामान्य का चयन किया है। ये विद्यार्थी अगले सत्र में 10वीं में पहुंचेंगे।

इनकी वजह से अगली बोर्ड परीक्षा में पहली बार गणित के दो प्रश्नपत्र आएंगे। हालांकि विकल्प देने के बाद भी स्कूल शिक्षा विभाग दोनों प्रश्नपत्रों की पाठ्य सामग्री अलग नहीं कर पाया है। इसकी वजह से शिक्षकों में भ्रम की स्थिति है।

परिणाम सुधारने की कवायदप्राचार्यों का कहना है कि 10वीं का परिणाम सुधारने के लिए यह कवायद की जा रही है। नौवीं कक्षा में शैक्षणिक सत्र 2025-26 से और 10वीं में सत्र 2026-27 से बेस्ट ऑफ फाइव समाप्त किया जाएगा।इस पद्धति से सबसे अधिक विद्यार्थी गणित व अंग्रेजी विषय में पास होते हैं। इस कारण गणित व अंग्रेजी में दो विकल्प लागू किया जा रहा है।

गणित में दो विकल्प दिए गए इस सत्र से नौवीं कक्षा में गणित में दो विकल्प दिए गए हैं। अब अगले सत्र से अंग्रेजी विषय में दो विकल्प सामान्य व विशिष्ट का होगा। - प्रमोद सिंह, उपसचिव, स्कूल शिक्षा विभाग।

तहसील में क्लर्क ने महिला को मारे जूते, कार्यालय में पुलिसकर्मी के सामने की हाथापाई

भिंड। मध्य प्रदेश के भिंड जिले के गोहद तहसील में सरकारी कर्मचारी ने सोमवार दोपहर जमीन संबंधी फरियाद लेकर पहुंची महिला से अभद्रता कर उस पर सरेआम थप्पड़ बरसाए और जूते से पिटाई की। मारपीट के दौरान किसी ने मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। गोहद एसडीएम पराग जैन ने लिपिक को निलंबित कर दिया है।ये है मामला लोधे की पाली निवासी राम अवतार जाटव की 55 वर्षीय पत्नी दीपा जमीन संबंधी काम को लेकर तहसील कार्यालय पहुंची थीं। महिला का आरोप है कि तहसील में कार्यरत लिपिक नवल किशोर गौड़ ने उनसे काम के बदले पैसे लिए थे, लेकिन फिर भी काम नहीं हुआ तो वह लिपिक से मिलने तहसील गईं।

गाली-गलौज और मारा थप्पड़-लिपिक ने अभद्रता की तो उन्होंने विरोध किया। इससे लिपिक आपा खो बैठा। विवाद बढ़ते ही लिपिक गौड़ ने गाली-गलौज शुरू कर दी और महिला के गालों पर थप्पड़ जड़ दिए। इतना ही नहीं, उसने हाथ में जूता लेकर सरेआम पिटाई भी की।इस दौरान महिला चीखती रही, लेकिन आरोपित लिपिक उस पर जूता बरसाता रहा। महिला के काफी चोटें आईं। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। डाक्टरों के मुताबिक महिला को गंभीर चोटे आई हैं। उसका उपचार चल रहा है।

आधी रात कुएं से आ रही थी आवाज, मामले का खुलासा होने पर 4 पर दर्ज हुआ केस

मुरैना। सबलगढ़ में पति की मार और ससुराल वालों से तंग आकर एक महिला देर रात कुएं में कूद गई। रात के तीन बज रहे थे, कुएं से महिला की आवाज सुनकर आसपास के लोग जुट गए। लोगों ने महिला को कुएं से बाहर निकाला और सिविल अस्पताल सबलगढ़ में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने महिला की फरियाद पर ससुराल पक्ष के 4 लोगों पर के दर्ज किया है।ग्रामीणों ने निकाला बाहर

जानकारी के मुताबिक रहू गांव निवासी 27 वर्षीय अंजू शर्मा बुधवार को कुएं में कूदी। आरोप है कि दहेज के पांच लाख रुपये की मांग को लेकर ससुराल वाले महिला की मारपीट करते थे, जिससे तंग आकर वह देर रात कुएं में कूद गई। ग्रामीणों को पता चला तो उन्होंने महिला को कुएं से बाहर निकाला।

दहेज को लेकर प्रताड़ना का आरोप-महिला ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी 2021 में कुलदीप शर्मा के साथ हुई है, लेकिन शादी के बाद से ही ससुराल वाले उसे दहेज में पांच लाख रुपये व गाड़ी लाने के लिए प्रताड़ित करने लगे। मंगलवार को भी ससुराल वालों से इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। महिला ने पिता के गरीब होने की बात बताई।

रात तीन बजे पति ने पीटा-आरोप है कि रात तीन बजे उसके पति इसी बात को लेकर उसे पीटा। मार खाने से बचने सास, ससुर व देवर ने उसे रात में ही मायके जाने के लिए कहा। अस्पताल में भर्ती अंजू शर्मा की फरियाद पर पति कुलदीप, सास प्रीति, ससुर रामप्रसाद व देवर संदीप के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

कार से भोपाल कलेक्टर ऑफिस पहुंचा परिवार, फिर गाड़ी में आग लगा उसकी छत पर चढ़कर जान देने की कोशिश

भोपाल। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान एक सनसनीखेज घटना हुई। हौतम सिंह ने अपनी कार को कलेक्ट्रेट भवन के मुख्य द्वार के सामने खड़ा कर करीब पौने एक बजे आग के हवाले कर दिया। इस घटना से परिसर में दहशत का माहौल बन गया।

घटना के समय कलेक्ट्रेट के आसपास भीड़ थी। जैसे ही कार में आग लगी अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार को आग लगाने के बाद हौतम सिंह जलती हुई कार की छत पर चढ़ गया, इससे पहले कि आग और फैलती कलेक्ट्रेट परिसर के गार्डों ने उसे नीचे उतारा और मौके पर मौजूद लोगों को वहां से हटाया।सरकारी वाहनों को तुरंत बाहर निकाला गया

इस दौरान पार्किंग में खड़े जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह और अन्य एसडीएम के सरकारी वाहनों को तुरंत बाहर निकाला। घटना के बाद कोहेफिजा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हौतम सिंह, उसके भाई राय सिंह, मां शक्कर बाई और दो अन्य लोगों को हिरासत में लिया। पूछताछ के लिए सभी को थाने ले जाया गया।पुराना भूमि विवाद

बना आगजनी का कारण

घटना के पीछे का कारण एक पुराना भूमि विवाद बताया जा रहा है। दरअसल, अरेरा कालोनी निवासी शैलेंद्र पटेल ने 14 अक्टूबर 2010 में बरखेड़ा नाथू निवासी रघुनाथ सिंह से 13 एकड़ जमीन का एक करोड़ 28 लाख 50 हजार में एग्रीमेंट किया था।

अग्रिम भुगतान के तौर पर 10 लाख रुपये भी दिए गए थे। लेकिन, रघुनाथ सिंह ने राजस्व प्रकरण लंबित होने का हवाला देते हुए सीमांकन में देरी की। बाद में रघुनाथ सिंह की मृत्यु हो गई।

उनके वारिस पत्नी शक्कर बाई और पुत्र हौतम सिंह व राय सिंह ने इस केस को अदालत में लड़ना शुरू किया। निचली अदालत ने शैलेंद्र पटेल के पक्ष में फैसला सुनाया, लेकिन मामला उच्च न्यायालय जबलपुर में लंबित है।जनसुनवाई में दबाव बनाने का प्रयास

हौतम सिंह जनसुनवाई में अधिकारियों से मामले को सुलझाने की मांग करता रहा है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने स्पष्ट किया है कि यह मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है।

ऐसे प्रकरणों का समाधान न तो राजस्व अधिकारी कर सकते हैं और न ही जनसुनवाई में इसे सुना जा सकता है। इससे पहले भी हौतम सिंह ने तत्कालीन एसडीएम आकाश श्रीवास्तव पर दबाव बनाने की कोशिश की थी।किसान परिवार के खिलाफ केस दर्ज कलेक्टर कार्यालय में बिना अनुमति के वाहन अंदर ले जाकर आग लगाने के मामले में कोहेफिजा थाना पुलिस ने किसान और स्वजन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उनके खिलाफ अनाधिकृत प्रवेश कर आगजनी करने एवं शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने का मुदकमा दर्ज किया गया है।

हालांकि अभी किसी की भी गिरफ्तारी नहीं की गई है। कोहेफिजा थाना पुलिस के मुताबिक कलेक्टर कार्यालय के नाजिर एजाज की शिकायत पर थाने में केस दर्ज किया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-तीन शालिनी दीक्षित ने बताया कि आरोपित हौतम सिंह उसकी मां और अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मामला उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। न्यायालय जो भी निर्णय देगा, वही मान्य होगा। इसका निराकरण राजस्व अधिकारियों या जनसुनवाई में संभव नहीं है।

- कौशलेंद्र विक्रम सिंह, ? कलेक्टर भोपाल

यूनियन कार्बाइड कचरा निष्पादन के संबंध में जनजागृति के प्रयास लगातार जारी

डॉक्टर्स और विज्ञान विशेषज्ञों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम सम्पन्न

इंदौर। इंदौर संभाग के पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड कचरा निष्पादन के संबंध में जनजागृति के प्रयास लगातार जारी हैं। इसी सिलसिले में जनसंवाद का सिलसिला भी जारी है। इसी क्रम में आज इंदौर के अरविन्दो अस्पताल के सभाकक्ष में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस जनसंवाद कार्यक्रम में मेडिकल क्षेत्र के डॉक्टर्स, अन्य स्टाफ, विज्ञान विषय के प्रोफेसर तथा विशेषज्ञ आदि शामिल हुये। यह कार्यक्रम संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में धार जिले के कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड श्री एस.एन.द्विवेदी, अरविन्दो अस्पताल के डॉ. विनोद भण्डारी, मेडिकल कॉलेज इंदौर के पूर्व डीन डॉ. संजय दीक्षित, इंडेक्स मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. पटेल सहित अन्य निजी चिकित्सालयों के डॉक्टर्स मौजूद थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संभागायुक्त श्री दीपक ?सिंह ने कहा कि यूनियन काबाईड कचरा निष्पादन के संबंध में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। समाज के हर वर्ग को यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन की प्रक्रिया बतायी जा रही है। उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया जा रहा है। वैज्ञानिक और कानूनी तथ्यों से अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कचरा निष्पादन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी है।

कार्यक्रम में श्री प्रियंक मिश्रा ने यूनियन कार्बाइड कचरा निष्पादन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उपस्थितजनों की जिज्ञासाओं का संतुष्टि के साथ समाधान भी किया। उन्होंने बताया कि समाज के हर वर्ग के साथ जनसंवाद के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसमें उन्हें पूरी प्रक्रिया समझायी जा रही है। उन्होंने कहा कि कचरा निष्पादन के संबंध में फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिये समाज के प्रबुद्धजनों को आगे आना चाहिये। उन्होंने कहा कि कचरा निष्पादन की पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिक आधार पर है। कचरा निष्पादन में पूरी सावधानी एवं सुरक्षा बरती जायेगी। मानव जीवन के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जायेगा। पर्यावरण की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान रहेगा। उनके द्वारा जनसंवाद कार्यक्रम में दी गई जानकारी निम्नानुसार है।

यूनियन कार्बाइड का कचरा क्या है?- भोपाल गैस त्रासदी का कचरा पेस्टीसाईड का उत्पादन करने वाली यूनियन कॉर्बाइड फैक्ट्री के परिसर में रखा हुआ अवशेष है। इस कचरे में रासायनिक अवशेष हैं, जिसमें मुख्य रूप से 5 प्रकार के कचरे हैं।

(1) परिसर की मिट्टी (2) रिएक्टर अवशेष (3) सेविन (कीटनाशक) अवशेष (4) नेफ्थाल अवशेष (5) सेमीप्रोसेस्ड अवशेष।

भोपाल गैस त्रासदी लगभग 40 वर्ष पहले 1984 में घटित हुई थी। वैज्ञानिक प्रमाण अनुसार सेविन और नेफ्थॉल दोनों रसायनों का प्रभाव अब लगभग नगण्य हो चुका है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है की वर्तमान में इस कचरे में मिथाइल-आइसोसाईनेट गैस का कोई अस्तित्व नहीं है और इसमें किसी प्रकार के रेडियोएक्टिव कण भी नहीं है।

इस कचरे को जलाना क्यों आवश्यक है- किसी भी प्रकार के पेस्टीसाईड उद्योग से उत्पन्न होने वाला कचरा परिसंकटमय एवं अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन एवं सीमापार संचलन) नियम 2016 के अनुसूची-1 के अनुसार खतरनाक श्रेणी में आता है। यूनियन कार्बाइड का कचरा भी इसी श्रेणी में आता है। इसलिए इस कचरे का निष्पादन उक्त नियम में दी गयी विधि तथा वैज्ञानिक तरीके से किया जाना अनिवार्य है। क्योंकि उक्त कचरे में कार्बोनिक पदार्थ हैं, इसलिए उन्हें भस्मक (incinerator) में जलाना आवश्यक है।

इंदौर संभाग के दूरस्थ अंचलों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के मिले बेहतर और सकारात्मक परिणाम

संभाग के दूरस्थ अंचलों में अब अगला चरण मार्च माह में होगा शुरू

इंदौर। इंदौर संभाग के दूरस्थ अंचलों में ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन स्वास्थ्य शिविरों के बेहतर और सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। इसको देखते हुए अगला चरण मार्च माह में शुरू होगा। इसके अलावा संभाग के दूरस्थ अंचलों में मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों के उपचार के लिये भी विशेष शिविर लगाये जाएंगे। यह जानकारी आज यहां संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की विशेष मौजूदगी में सम्पन्न हुए सम्मान समारोह में दी गई। इस समारोह में संभाग में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में धार जिले के कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड श्री एस.एन.द्विवेदी, अरविन्दो अस्पताल के डॉ. विनोद भण्डारी, डॉ. महक भण्डारी, संचालक स्वास्थ्य डॉ. शाजी जोसेफ, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ. पूर्णिमा गडरिया सहित अन्य निजी चिकित्सालयों के डॉक्टर्स मौजूद थे। सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कहा कि संभाग के दूरस्थ अंचलों के ग्रामीणों को शहर जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के लिये स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन का सिलसिला प्रारंभ किया गया है। इसके दो चरण हो चुके हैं। दोनों चरणों के बेहतर परिणाम सामने आये हैं। अब तक आयोजित शिविरों में डेढ़ लाख से अधिक ग्रामीणों का आधुनिक पद्धति से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इंदौर के मेडिकल कॉलेजों और अन्य चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने इन शिविरों में निस्वार्थ भाव से पहुंचकर जरूरतमंदों का उपचार किया। दूरस्थ अंचलों में जाँच की आधुनिक मशीनें भी लगाई गई थी। इससे भी मरीजों के शुरूआती स्टेज पर ही अनेक बीमारियों का पता चला, जिससे उनके उपचार में मदद मिली। उन्होंने कहा कि अब मार्च माह में तीसरा चरण प्रारंभ किया जायेगा। इसके साथ ही मोतियाबिंद ऑपरेशन के शिविर भी लगाये जाएंगे। बताया गया कि संभाग में दूसरे दौर में अक्टूबर से लेकर दिसम्बर तक 10 शिविर लगाये गये। इनमें 63 हजार से अधिक ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इन स्वास्थ्य शिविरों में 518 चिकित्सकों ने उपस्थित रहकर उपचार किया। 902 नर्सिंग स्टाफ ने भी अपनी सेवाएं दी। दो हजार से अधिक सोनोग्राफी जाँचे की गई। इसके अलावा 11 हजार लोगों के रक्त परीक्षण भी किये गये। इसके अलावा मेमोग्राफी, एक्सरे, इको सहित अन्य जाँचे भी की गई। हृदय रोग, कुपोषण, कैंसर, स्त्री रोग, ब्लड प्रेशर, शुगर, सिकलसेल आदि के लगभग 14 हजार मरीजों का निश्शुल्क उपचार भी किया गया। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में निजी क्षेत्र के चिकित्सकों और पेरामेडिकल स्टाफ का उल्लेखनीय योगदान रहा। शासकीय चिकित्सकों और पेरामेडिकल स्टाफ ने भी महती भूमिका निभायी।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 129वीं जयंती पर कार्यक्रम

इंदौर। तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूंगा का नारा देने वाले स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 129 वीं जयंती 23 जनवरी को इंदौर में धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर नेताजी सुभाष मंच और श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट के संयुक्त आयोजन में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम रीगल तीराहा स्थित एसपी ऑफिस परिसर में इंडियन कॉफी हाऊस में प्रातः 10 बजे शुरू होगा।

मंच के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया, ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल और चेतन चौधरी ने बताया कि हर साल की तरह इस वर्ष भी नेताजी सुभाष अलंकरण से 6 विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। इस साल सम्मानित होने वालों में अंगदान में योगदान देने वाले जीतू बगानी, मानव अधिकार परिषद के सलीम शेख, दिव्यांग गोल्ड मेडलिस्ट सपना शर्मा, उत्तराधिकारी सतीश अग्रवाल, लाफ्टर किंग रमेश मौर्य, और मार्शल आर्ट मास्टर सईद आलम शामिल हैं। मुख्य अतिथि के रूप में म.प्र. शासन के पूर्व मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा, अध्यक्षता करेंगे अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, जबकि विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनोहर धवन और रघु परमार भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति जनाब आफताब आलम कुरैशी और कविता यादव द्वारा दी जाएगी।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह पर सेंट उमर हायर सेकेंडरी स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

इंदौर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत सेंट उमर हायर सेकेंडरी स्कूल में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसीपी ट्रैफिक श्री अरविन्द तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों और शिक्षकों को सड़क दुर्घटनाओं के कारणों, उनकी रोकथाम, और यातायात नियमों के पालन की महत्ता पर विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई सम्पन्न हुई

इंदौर। प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका निराकरण किया। उन्होंने जनसुनवाई में आवेदकों से रूबरू होकर समस्याएं सुनी। ऐसी समस्याएं जिनका मौके पर निराकरण नहीं हुआ, उसके लिये उन्होंने समयसीमा तय की। कलेक्टर कार्यालय के अधिकारी कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष और अपने-अपने कक्षों में भी नागरिकों की समस्याओं को सुन और उनका मौके पर ही निराकरण कर रहे है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि आवेदकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। यह तय किया गया है कि आवेदकों की समस्याओं के समय-सीमा में निराकरण को सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था के तहत उनके प्रकरण सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किए जा रहे हैं। समय-सीमा में निराकरण किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि वे हर हाल में समय-सीमा में समस्याओं का सकारात्मक निराकरण करें। आज सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर श्री सिंह ने अनेक आवेदकों को रेडक्रॉस के माध्यम से सहायता भी उपलब्ध कराई। यह सहायता शिक्षा, इलाज और रोजगार के लिए जरूरतमंदों को प्रदान की गई।

काउंसिलिंग 28 जनवरी को

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह की पहल पर निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में दिव्यांगजनों को रोजगार दिलाने के लिये विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इसके तहत एक विशेष पोर्टल भी तैयार किया गया है। इन्हीं प्रयासों के तहत 28 जनवरी-2025 को निजी कंपनियों में दिव्यांगजनों के रोज़गार के लिए प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट रिसर्च सेंटर में काउंसिलिंग सत्र दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक आयोजित किया गया है।

पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में आपदा प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार सम्पन्न

इंदौर। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय इंदौर में प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्रीमती सुनीता रावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती सौम्या जैन एवं उप पुलिस अधीक्षक श्री अनिल वर्मा के निर्देशन में DISASTER MANAGEMENT (आपदा प्रबंधन) विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित हुआ। सेमिनार में प्लाटून कमाण्डर श्री निलेश डामोर एवं स्पेशल ट्रेनर सैनिक श्री रंगपाल सिंह होमगार्ड इन्दौर द्वारा आपदा प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया गया। उनके द्वारा आपातकालीन समय में पीड़ित व्यक्ति को रेस्क्यू करने के बारे में विस्तार में बताया गया। किसी व्यक्ति को अधिक चोट आने पर खून रोकने के चार प्रकारों में डायरेक्ट प्रेशर, प्रेशर पाइंट, इलेवेशन और टोर्निक्यूट तकनीकों को विस्तार से समझाया गया। इसके अलावा मौच आने पर उसे कैसे ठीक किया जाये, इस पर उनके द्वारा RICE तकनीक R-Rest, I- icing, C-Compress, E-Elevation के बारे में बताया गया। सेमिनार में आपदा प्रबंधन में उपयोग किये जाने वाले विभिन्न उपकरणों के बारे में भी समझाया गया एवं उपकरणों को दिखाया भी गया। इस सेमिनार में पीटीसी इन्दौर के शासकीय सेवक एवं पीटीसी इन्दौर में प्रशिक्षणरत नव आरक्षक शामिल हुए।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

मुख्यमंत्री द्वारा आप सभी की चिंता करते हुए इन शिविरों के माध्यम से सरकार को आपके द्वारा तक पहुंचाया जा रहा - निगम अध्यक्ष

उज्जैन। मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान अन्तर्गत बुधवार को झोन 05 वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत चकोर पार्क गेट नंबर एक, जोन 06 वार्ड क्रमांक 35 मंछामन स्थित आनंद भवन एवं वार्ड क्रमांक 49 वेद नगर स्थित आनंद भवन पर शिविर का आयोजन किया गया।

वार्ड क्र. 35 एवं 49 में आयोजित शिविर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, क्षेत्रीय पार्षद एवं जोन अध्यक्ष श्री संग्राम सिंह भाटिया, पार्षद श्रीमती आभा कुशवाह, एमआईसी सदस्य श्रीमती दुर्गा शक्ति सिंह चौधरी, श्री जितेंद्र कुवाल, झोन अध्यक्ष श्री सुरेंद्र मेहर की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

शिविर को संबोधित करते हुए निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा कहा गया कि मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर से जनता एवं

हितग्राहियों को एक संबल प्राप्त हो रहा है जिसके माध्यम से शासन की योजनाएं आप सभी तक पहुंच रही है मुख्यमंत्री द्वारा आप सभी की चिंता करते हुए इन शिविरों के माध्यम से सरकार को आपके द्वारा तक पहुंचाया हैं इसीलिए आप सभी इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ लेते हुए अपनी समस्याओं का समाधान करते हुए शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ ले सकते है।

वार्ड क्रमांक 49 आनंद भवन पर शिविर पर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए 27 जनवरी सोमवार से वार्ड 49 वेद नगर स्थित आनंद भवन पर आयुर्वेदिक विंग औषधालय का संचालन होगा जहां पर नागरिकों को निशुल्क रूप से आयुर्वेदिक उपचार एवं दवाइयां की उपलब्धता होगी यह औषधालय अस्थाई तौर पर संचालित होगा।

वार्ड क्र. 41 में आयोजित शिविर में भाजपा नगर अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, झोन अध्यक्ष श्री पुरूषोतम मालवीय, उपायुक्त श्री योगेंद्र सिंह पटेल, झोनल अधिकारी श्री रवि राठौर, सहायक सम्पत्तिकर अधिकारी श्री जफर आलम अंसारी, मंडल अध्यक्ष श्री परेश कुलकर्णी, श्री गजेंद्र खत्री, नगर उपाध्यक्ष श्री मुकेश यादव, श्री उमेश सेंगर, श्री घनश्याम राठौर, श्री कैलाश पांचाल, वार्ड के समस्त बूथ अध्यक्ष एवं वार्ड के सम्माननीय नागरिक एवं हितग्राही उपस्थित रहे।

आज के शिविर

गुरुवार दिनांक 23 जनवरी 2025 को मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर अभियान के अंतर्गत जोन 02 वार्ड क्रमांक 22 गणगौर दरवाजे के सामने श्री चंद्र धर्मशाला,जोन 01वार्ड क्रमांक 05 पार्षद कार्यालय पर शिविर आयोजित किए जाएंगे

श्रमिकों के ईश्रम, आभा, आयुष्मान योजना कार्ड का पंजीयन किया

पंचायतों में जागरूकता एवं सहपंजियन कार्यक्रम में दी केन्द्र शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, श्रमिकों को किया जागरूक

उज्जैन। दत्तोपंत ठेंगडी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार क्षेत्रीय निदेशालय, इन्दौर द्वारा जनवरी 2025 में विकास खण्ड घटिया के ग्राम पंचायतों में जागरूकता एवं सहपंजियन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्र शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर श्रमिकों को जागरूक किया गया।

श्रमिकों को ईश्रम कार्ड, आभा कार्ड, आयुष्मान योजना कार्ड आदि का पंजियन किया गया। क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा ग्राम पंचायत चकरावदा, कलियादेह, सोडंग, मालीखेडी, करोहन, तालोद आदि ग्राम पंचायतों में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसका समापन 23 जनवरी को ग्राम गोयला बुजुर्ग में होगा। क्षेत्रीय निदेशक अरविन्द एस.धुर्वे ने बताया कि इस विभाग द्वारा सभी श्रमिकों को केन्द्र शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभांन्वित करने हेतु यह कार्यक्रम चलायें जा रहे हैं। कार्यक्रमों के आयोजन में धापूबाई पटेल, सरपंच सोढंग, जीवन सोलंकी, सरपंच चकरावदा, आजाद पटेल, सरपंच कलियादेव, डॉ किशोरी लाल शर्मा, सरपंच मालीखेडी, हरिनारायण शर्मा, सरपंच गोयला बुजुर्ग, रूप कुँवर सिंह, सरपंच करोहन, संजय अंजना, सरपंच तालोद, इन सभी सरपंच पदाधिकारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के आयोजन में ग्रामीण स्वयं सेवक संतोष कुमार, किरण सिसोदिया द्वारा जागरूक करने हेतु सहयोग किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में विनीता शर्मा, सागर शर्मा, श्री वैभव, यशोदा, का विशेष योगदान रहा।

हिन्दू हृदय सम्राट श्री बालासाहेब ठाकरे की जयंती आज मनेगी सम्मान समारोह भी होगा

उज्जैन। शिवसेना (शिंदे) के पितृपुरूष, हिन्दू हृदय सम्राट श्रद्धेय श्री बालासाहेब ठाकरे की जयंती आज 23 जनवरी 2025 गुरूवार को प्रातः 10 बजे ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन में बाबा का पंचामृत अभिषेक किया जायेगा। इसी दिवस संध्या 6 बजे टॉवर चौक, उज्जैन पर मंचीय कार्यक्रम होगा जहां जयंती मनाई जायेगी तथा सांसद अनिल फिरोजिया, मुख्यमंत्री के अग्रज नारायण यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजेश धाकड़ का सम्मान भी किया जायेगा। जिला प्रमुख सुरेश प्रजापति के अनुसार कार्यक्रम में विशेष रूप से शिवसेना प्रदेश प्रभारी सुरेश गुर्जर, प्रदेश सचिव दिनेश प्रजापति उपस्थित रहेंगे।

कृषि विस्तार अधिकारी संघ के प्रांत अध्यक्ष का किया सम्मान

उज्जैन। कृषि विस्तार अधिकारी संघ मध्य प्रदेश भोपाल के नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष के उज्जैन आगमन पर कृषि विस्तार अधिकारी संघ जिला उज्जैन शाखा एवं मिट्टी परीक्षण कार्यालय के द्वारा सम्मान किया गया।

म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ के जिला सहसचिव एमआर मंसूरी ने बताया कि इस अवसर पर कृषि विस्तार अधिकारी संघ के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष मनोहर गिरी, राजपत्रित कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बनप वर्मा, सहायक संचालक कमलेश राठौर, दिनेश मंडलोई, राम बलवान जाटव, चंद्र प्रकाश पाटीदार, कृषि विस्तार कृषि विकास अधिकारी संघ के संभाग अध्यक्ष सुबोध पाठक, कृषि विस्तार अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष अंकुश गुप्ता, अविनाश गुजराती, मदनलाल गायकवाड, बद्रीलाल नगावा उपस्थित रहे। आभार घनश्याम पाटीदार ने माना।

मेवाड़ा भांबी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 3 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

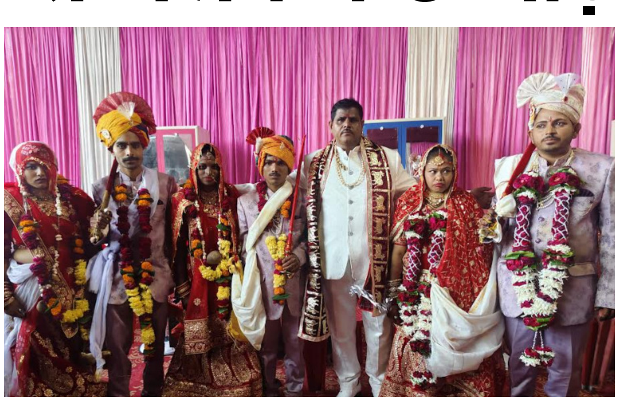

उज्जैन। अयोध्या में भगवान श्री राम राम मंदिर की पहली वर्षगांठ के अवसर पर मेवाड़ा जन कल्याण समिति द्वारा निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन उज्जैन में आयोजित किया गया। अध्यक्ष मोहन मेवाड़ा के नेतृत्व में आयोजित मेवाड़ा भांबी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 3 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे।

22 जनवरी बुधवार को विष्णु वाटिका, पिपलीनाका, बड़नगर रोड पर स्वर्गीय हुकुमचंद मेवाड़ा, घीसी बाई मेवाड़ा, मदन मेवाड़ा, संगीता मेवाड़ा के आशीर्वाद से आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में अध्यक्ष मोहन मेवाड़ा परिवार की ओर से सम्पूर्ण भोजन व्यवस्था की गई। वहीं राजू बाई मेवाडा, शालीनी मेवाड़ा, शीतल मेवाड़ा की ओर से सभी दुल्हन को लहंगा, सन्नी मेवाड़ा की ओर से सभी दुल्हे को जोधपुरी सूट, सन्नी मेवाडा, दर्पण मेवाडा, मोहन मेवाड़ा परिवार की ओर से बेण्ड बाजे बग्गी की व्यवस्था की गई। संरक्षक देवनारायण जयपाल की ओर से कन्या दान हेतु सभी जोड़ों को हंडा बटलोई, अध्यक्ष सुनील कड़ेला स्व. रामप्रसाद जी कड़ेला की ओर से एक बड़ा स्टील का लोट, गिलास, पन्नालाल छापोला, हातोद वाले सह सचिव जयप्रकाश प्रर्मिला लकड़ी की दिवान पेटी प्रति जोड़े, रमेश किरणबाई मिर्जापुर वाले हातोद की ओर से पीतल की बड़ी थाली प्रति जोड़े को, उपाध्यक्ष बद्रीलाल हेरा की ओर से एक डीनर सेट प्रति जोड़े को, उज्जैन नवयुवक मण्डल की ओर से प्रति जोड़े को गोदरेज की अलमारी, जयभाई बाम्बे वाले रानी साड़ी, हेमचन्दर, विनोद चौहान परिवार की ओर से प्रति जोड़े को 5 बर्तन और टेबल फेन, योगेश उपाध्याय महिदपुर वाले के ओर से प्रति जोड़े को जुते-चप्पल दिये गये, राजेश कुमार जयपुर वाले की ओर से 5 पीतल के बर्तन प्रति जोड़े को, मानसिंग बगेड़िया की ओर से प्रति जोड़े को एक घड़ी, रतनलाल जावल की ओर से प्रति जोड़े को एक स्टील का डब्बा दी गई, सुरेन्द्र-कमल पंवार की ओर से प्रति जोड़े को 2 जोड़ बिछिया चांदी, ललित बगेडिया पुलिस वाले की ओर से प्रति जोड़े को एक स्टील का पानी की टंकी दी गई, प्रकाश जी कुरवाड़िया की ओर से प्रति जोड़े को कपड़े करने की प्रेस दी गई। जय चौबे साक्षी गोपाल महाकाल मंदिर वालों के ओर से प्रति जोड़े को गादी, रजाई, तकिया दिये गई।

रामानंद बैरागी समाज ने मनाई अपने आराध्य जगत गुरु रामानंदजी महाराज की जयंती

उज्जैन। प्रतिवर्ष अनुसार रामानंद संप्रदाय के अनुयाई रामानंद बैरागी समाज द्वारा जगत गुरु रामानंद जी महाराज की 725वीं जयंती मनाई गई।

दानीगेट स्थित भावसार धर्मशाला में समाज जन द्वारा गुरु रामानंद जी महाराज के चरणचोकी को क्षिप्रा नदी के जल से स्नान करके रामानंद महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर धुप दीप से पुजन कर आरती उतारी गई और गुरु प्रसाद का वितरण किया गया। अपने आराध्य का पुजन कर पुरे समाज में सकारात्मक उर्जा का संचार हो यही कामना के साथ अपने आराध्य की रामानंद बैरागी समाज द्वारा आराधना की गई। रामानंद बैरागी समाज कल्याण समिति मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष बजरंग दास बैरागी ने बताया कि रामानंद बैरागी समाज के आराध्य जगत गुरु रामानंद जी महाराज ने सनातन धर्म की रक्षा कर धर्म का प्रचार प्रसार और भक्ति आंदोलन को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया। भेदभाव मिटाकर जगत कल्याण के भाव को महत्वपूर्ण बताया। रामानंद बैरागी समाज कल्याण समिति मध्यप्रदेश ने समस्त रामानंद बैरागी समाज जन से अपने आराध्य जगत गुरु रामानंद जी महाराज के पदचिन्ह पर चलने का आव्हान किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com